स्वतंत्र भारत

लखनऊ, रविवार, 16 जुलाई 2017

प्रशिक्षित गन्ना अधिकारी बने गन्ना अनुसंधान संस्थान के राजदूत

संवाददाता लखनऊ।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में चीनी मिलों के गन्ना प्रबंधकों एवं अधिकारियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में त्रिवेणी डीएससीएलए डालमिया, द्वारिकेश केसर, सेकसरिया, बिरला समूहों तथा सहकारी चीनी मिलों के 24 गन्ना प्रबन्धकों, अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. डी पाठक ने किया तथा मुख्य अतिथि बिसवां चीनी मिल के मुख्य अधिशासी आरसी सिंघल थे। इस प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम प्रभारी डॉ. एके शाह प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम की गतिविधियों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रशिक्षण उपरान्त सभी प्रतिभागी संस्थान के राजदूत हो गए तथा अपने चीनी मिलों में ये सभी संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों के बारे में किसानों को प्रशिक्षित करते हुए अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर प्रशिक्षण में विभिन्न विषयों पर दिये गए तकनीकी जानकारी को संकलित करते हुए शुगरकेन प्रॉडक्शन टेक्नोलोजी विषय पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया गया। इस प्रशिक्षण में गन्ना उत्पादन से संबन्धित सभी विषयों जैसे प्रजाति नियोजन, बुवाई विधि, सिंचाई प्रबंधन, पोषक प्रबंधन, खर पतवार प्रबंधन, नाशी कीटों एवं उनका समेकित प्रबंधन, बीमारी एवं रोकथाम, जलवायु परिवर्तन, मृदा स्वास्थ प्रबंधन तकनीक, कटाई उपरान्त प्रबंधन, सूचना प्रबंधन प्रणाली इत्यादि पर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारी विभिन्न सत्रों के माध्यम से दिया गया। गन्ना विकास एवं विपणन संबंधी जानकारी पर विस्तृत चर्चा के लिए अतिरिक्त गन्ना आयुक्त एवं चीनी मिलों के उच्च अधिकारियों को मेहमान वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

लखनऊ कल्चर

जनसंदेश टाइम्स
लखनऊ, रविवार, 16 जुलाई, 2017

प्रशिक्षित गन्ना अधिकारी आईआईएसआर के राजदूत बने

पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान(आईआईएसआर) में चीनी मिलों के गन्ना प्रबंधकों एवं अधिकारियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में त्रिवेणी, डी.एस.सी.एल., डालमिया, द्वारिकेश, केसर, सेकसरिया, बिरला समूहों तथा सहकारी चीनी मिलों के 24 गन्ना प्रबन्धकों,अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. ए डी पाठक ने किया तथा मुख्य अतिथि बीसवां चीनी मिल के मुख्य अधिशासी आरसी सिंघल थे। इस प्रशिक्षण के पाठयक्रम प्रभारी डॉ. ए.के. साह प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम की गतिविधियों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रशिक्षण उपरान्त सभी प्रतिभागी संस्थान के राजदूत हो गए तथा अपने - अपने चीनी मिलों में ये सभी संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों के बारे में किसानों को प्रशिक्षित करते हुए अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर प्रशिक्षण में बिभिन्न विषयों पर दिये गए तकनीकी जानकारी को संकलित करते हुए शुगरकेन प्रॉडक्शन टेक्नोलोजी विषय पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया गया।

देश में मिठास की माँग बढ़ती जा रही है, साथ ही हरित ऊ.र्जा की आवश्यकता एवं बाध्यता भी बढ़ती जा रही है। इस बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए देश के अंदर ज्यादा से ज्यादा गन्ना उत्पादन करना होगा तथा चीनी मिलों में हरित ऊ.र्जा उत्पादन के लिए इथनॉल तथा बिजली जैसे सह-उत्पादन के उत्पादन को वरीयता देने की आवश्यकता है। यही कारण है की पिछले कुछ वर्षों में कई नई चीनी मिलों की स्थापना हुई तथा पुरानी चीनी मिलों ने भी अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि की है। इन सभी चीनी मिलों को क्षमता अनुरूप पेराई के लिए वर्तमान स्तर से

सम्पन्न

तकनीक ज्ञान से किसानों को खेती करने में मिलेगा लाभ

ज्यादा गन्ने की जरूरत पड़ेगी। दूसरी तरफ चीनी मिलों का सुरक्षित गन्ना क्षेत्रफल घटता जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में चीनी मिलों को अपने क्षमता स्तर पर संचालित करने के लिए सीमित क्षेत्रों या घटे क्षेत्रफल से ज्यादा गन्ना उत्पादन करने की जरूरत पड़ेगी। और यह सिर्फ गन्ना खेती के आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीक से ही संभव है। संस्थान द्वारा कई तकनीकों का विकास किया गया है, जिसे किसानों तक पहुंचाना अति आवश्यक है। और इसके लिए चीनी मिलों में कार्यरत गन्ना प्रबंधकों एवं अधिकारियों को संस्थान के तकनीकों में पूरी तरह से ज्ञान संपन्न तथा कौशल रूप से दक्ष बनाना महत्वपूर्ण है। ताकि वे सभी अपने-अपने क्षेत्रों में संस्थान के तकनीक राजदूत बनकर अधिक से अधिक किसानों को वैज्ञानिक विधि से गन्ना खेती करने के लिए प्रेरित एवं प्रशिक्षित कर सके। इस प्रशिक्षण में गन्ना उत्पादन से संबन्धित सभी विषयों जैसे प्रजाति नियोजन, बुवाई विधि, सिंचाई प्रबंधन, पोषक प्रबंधन, खर पतवार प्रबंधन, नाशी कीटों एवं उनका समेकित प्रबंधन, बीमारी एवं रोकथाम, जलवायु परिवर्तन, मृदा स्वास्थ प्रबंधन तकनीक, कटाई उपरान्त प्रबंधन, सह.फसली खेती, सूचना प्रबंधन प्रणाली इत्यादि पर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारी विभिन्न सत्रों के माध्यम से दिया गया। गन्ना विकास एवं विपणन संबंधी जानकारी पर विस्तृत चर्चा के लिए अतिरिक्त गन्ना आयुक्त एवं चीनी मिलों के उच्च अधिकारियों को मेहमान वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। साथ ही गन्ना खेती में प्रयुक्त होने वाले नवीमतम कृषि रसायनों पर जानकारी देने के लिए बेयर क्राप साइंस, विलोउड कॉप साइंस तथा अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुतीकरण कर विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान गन्ना खेती में प्रेसीजन कृषि प्रणाली पर विकसित सॉफ्टवेयर पर एक विशेष सत्र का भी आयोजन किया गया। **वसं.**

लखनऊ । रविवार, 16 जुलाई 2017

अमर उजाला

4

प्रशिक्षित गन्ना अधिकारी संस्थान के राजदूत बने

ट्रेनिंग में शामिल हुए 24 गन्ना प्रबंधक

लखनऊ। चीनी मिलों के गन्ना प्रबंधकों व अधिकारियों को प्रशिक्षण के बाद भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का राजदूत बनाया गया है। कार्यक्रम के तहत त्रिवेणी डीएससीएल, डालमिया, द्वारिकेश, केसर, सेकसरिया, बिरला समूहों व सहकारी चीनी मिलों के 24 गन्ना प्रबंधकों व अधिकारियों ने प्रशिक्षण लिया। शनिवार को 15 दिवसीय कार्यक्रम के आखिरी दिन की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि बसिवां चीनी मिल के मुख्य अधिशासी आरसी सिंघल मौजूद थे। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रभारी डॉ. एके साह ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर शुगर केन प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी विषय पर पुस्तक का विमोचन भी किया गया। ब्यूरो

आज

लखनऊ, 16 जुलाई, 2017

किसानों को दें खेती की नयी तकनीक की जानकारी

लखनऊ, शनिवार। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में चीनी मिलों के गन्ना प्रबंधकों एवं अधिकारियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हो गया। गन्ना प्रबंधन एवं विकास विषय पर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक जुलाई को शुरू किया गया था। जिसमे फसलों की पैदावार बढ़ाने पर चर्चा की गयी। देश में मिठास की माँग बढ़ रही है, साथ ही हरित ऊर्जा की आवश्यकता भी बढ़ती जा रही है। इस बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए देश के अंदर ज्यादा से ज्यादा गन्ना उत्पादन करना होगा। चीनी मिलों में हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए इथनॉल तथा बिजली जैसे सह-उत्पादन के उत्पादन को वरीयता देने की जरुरत है। यही कारण है की पिछले कुछ वर्षों में कई नई चीनी मिलों की स्थापना हुई। साथ ही पुरानी चीनी मिलों ने भी अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि की है। सभी चीनी मिलों को क्षमता अनुरूप पेराई के लिए वर्तमान स्तर से ज्यादा गन्ने की जरूरत पड़ेगी। दूसरी तरफ चीनी मिलों का सुरक्षित गन्ना क्षेत्रफल घटता जा रहा है।

sunday pioneer
LUCKNOW | SUNDAY | JULY 16, 2017

15-day training on sugarcane mgmt, dev concludes

Lucknow (PNS): A 15-day national training on sugarcane management and development concluded at ICAR-Indian Institute of Sugarcane Research in Lucknow on Saturday. As many as 24 cane manager from various enterprises of Uttar Pradesh and Bihar sugar mills are taking part in the training programme. The inaugural session was chaired by director of ICAR-IISR AD Pathak while additional cane commissioner (UP) VK Shukla was the chief guest. Shukla appreciated the effort of the institute in organising the training programme, especially for the personnel engaged in development of sugarcane and sugar sector in the state. Pathak spoke about the commitment of the institute for well-being of the sector at national level. Course incharge and principal scientist AK Sah explained the objective and structure of the training programme. In an ice-breaking session, resource persons and participants shared views on problems in cane cultivation and solutions offered by the institute.

More than 35 interactive sessions comprising class room lectures, practical in labs, visit to experimental plots, workshop etc were organised on different aspects of cane production technology. Interactive sessions by guest speakers were also organised for sharing of views on activities implemented by these firms under corporate social responsibility for benefits of the farmers.

15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम समाप्त

जासं, लखनऊ : भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में चीनी मिलों के प्रबंधकों एवं अधिकारियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज समाप्त हो गया। सत्र की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. एडी पाठक ने की। मुख्य अतिथि बिसवां चीनी मिल के मुख्य अधिशासी आरसी सिंघल थे। प्रभारी डॉ. एके शाह ने बताया कि प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रतिभागी संस्थान के राजदूत हो गए हैं। अब वह अपनी-अपनी चीनी मिलों में संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों के बारे में किसानों को प्रशिक्षित करते हुए अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर शुगरकेन प्रोडक्शन टेक्नोलाजी विषय पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया गया।